आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 126 | उज्जैन, रविवार 30 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री उज्जैन से करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा अभियान

भोपाल। प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷, प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेशव्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे। अभियान की थीम जन सहभागिता से जल स्त्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण रखी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जैसे - पौध-रोपण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और प्रदेश में अभियान के दौरान इसे एक को जन-आंदोलन बनाएं।

पाकिस्तान की कुलभूषण जाधव जैसा मामला बनाने की थी तैयारी, IFA अधिकारी को रॉ एजेंट की नाकाम कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार भी पाकिस्तान की कोशिश एक और कुलभूषण जाधव जैसा मामला तैयार करने की थी। भारत के विदेश मंत्रालय में कार्यरत एक अधिकारी की पहचान भी कर ली गई।

उसके तमाम फोटोग्राफ भी जुटाते हुए उसके ईरान से लेकर चीन व हांगकांग और बलूचिस्तान से लिंक स्थापित करते हुए सूचना भी पाकिस्तान की मीडिया को दे दिया गया।

राजनीतिक दलों की शख्सियतों ने भी इस संबंध में पोस्ट की- पाकिस्तान के कुछ राजनीतिक दलों की शख्सियतों ने भी इस संबंध में पोस्ट की। लेकिन गलती बस यह हो गई कि जिस व्यक्ति अजीत जॉन जोशुआ को भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के लिए काम करते हुए बताया गया वह अभी बेंगलुरु स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (पीआरओ) में अधिकारी हैं और जिस दिन यह खबर लिखी जा रही है उस दिन भी वह दूर-दराज के इलाके में पासपोर्ट बनाने के लिए शुरू की गई मोबाइल पासपोर्ट सेवा वैन का संचालन कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के कुछ वरिष्ठ पत्रकारों की तरफ से सोशल मीडिया साइट एक्स पर अजीत जॉन जोशुआ के फोटो के साथ लिखे गये पोस्ट को फेक बताया है।

ईद पर दिल्ली व मुंबई में दंगों और बम धमाकों की चेतावनी, सोशल मीडिया पोस्ट आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईद के दौरान दिल्ली और मुंबई में बम विस्फोट व दंगों की चेतावनी मिली है। सोशल मीडिया में एक पोस्ट के माध्यम से पुलिस को चेतावनी दी गई है। मुंबई में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पोस्ट में कहा गया है कि 31 मार्च और 1 अप्रैल को ईद के दौरान कुछ विशेष क्षेत्रों में हिंदू-मुस्लिम दंगे, आगजनी और बम विस्फोट हो सकते हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में नवी मुंबई पुलिस के हैंडल को टैग किया गया। इसमें चेतावनी डोंगरी जैसे इलाकों को लेकर जारी की गई। कहा गया कि यहां कुछ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी घुसपैठियां ऐसी हरकत को अंजाम दे सकते हैं। पोस्ट के बाद नवी मुंबई में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक साइबर सेल सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने में लगा है। तकनीकी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डोंगरी इलाके में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है।

म्यांमार में भूकंप से तबाही, पीएम मोदी बोले- करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में साथ खड़ा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यामांर में शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप ने अब तक हजारों लोगों की जान ले ली है। करीब 1700 लोग घायल हुए हैं और हजारों अभी भी लापता हैं। भूकंप के तुरंत बाद ही भारत ने म्यांमार को हर संभव मदद देने का वादा किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने म्यांमार के सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की है। पीएम ने कहा कि एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

पीएम मोदी ने व्यक्त की संवेदना- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने आगे लिखा, एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है।

ऑपरेशन ब्रह्म की शुरुआत- भारत ने म्यामांर में मानवीय मदद पहुंचाने के लिए ऑपरेशन ब्रह्म शुरू किया है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 40 टन मानवीय सहायता लेकर यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। खोज और बचाव कार्यों में मदद के लिए एनडीआरएफ की 80 सदस्यीय समर्पित टीम म्यांमार भेजी गई है।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और आवारा कुत्तों से संबंधित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं का मुद्दा उठाया।

प्रधानमंत्री से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की- बैठक के दौरान चिदंबरम ने स्थानीय निकायों के साथ मिलकर समग्र, मानवीय और वैज्ञानिक समाधान के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स गठित करने का सुझाव दिया। शिवगंगा से कांग्रेस सांसद और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के पुत्र कार्ति ने एक्स पोस्ट किया, प्रधानमंत्री से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की।

आवारा कुत्तों से संबंधित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी बढ़ती चिंताओं से उनका ध्यान आकृष्ट किया। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है। अनुमान के अनुसार भारत में 6.2 करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हैं।

कार्ति ने कहा कि विश्व में रैबीज से संबंधित मौतों में से 36 प्रतिशत भारत में होती है। पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम, 2023 लागू होने के बावजूद इसके कार्यान्वयन का असर नहीं हो रहा है।

तत्काल कार्रवाई की जरूरत- कार्ति ने कहा, स्थानीय निकायों के पास इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए संसाधन, धन और प्रौद्योगिकी का अभाव है। तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। मैंने स्थानीय निकायों के साथ मिलकर समग्र, मानवीय और वैज्ञानिक समाधान के लिए राष्ट्रीय कार्य बल की स्थापना का सुझाव दिया।

विदेश सचिव मिसरी ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री से की फोन पर बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से घोषित टैरिफ लागू होने से कुछ दिन पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शुक्रवार को अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ से बात की। इसमें व्यापार, रक्षा और प्रवास के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष पारस्परिक चिंता के मामलों पर बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए। इस दौरान मिसरी ने भारत-अमेरिका रणनीतिक हितों के गहन जुड़ाव को रेखांकित किया।

पीछे हटने को तैयार नहीं केंद्र सरकार, अमित शाह बोले- संसद के इसी सत्र में पेश होगा वक्फ विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद के इसी सत्र में फिर से पेश किया जाएगा। अगस्त 2024 में इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया था। चार अप्रैल को समाप्त होने वाले मौजूदा बजट सत्र में अब केवल चार कार्यदिवस बचे हैं।

अमित शाह ने एक निजी चैनल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हम इसी सत्र में संसद में वक्फ विधेयक पेश करेंगे। प्रस्तावित कानून से किसी को डरना नहीं चाहिए, क्योंकि नरेन्द्र मोदी सरकार संविधान के दायरे में रहकर वक्फ अधिनियम में संशोधन कर रही है। विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। मुसलमानों के किसी भी अधिकार पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। विपक्ष सिर्फ झूठ पर झूठ बोल रहा है।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार को मौजूदा कानून में संशोधन इसलिए लाना पड़ा, क्योंकि मूल कानून तुष्टीकरण की राजनीति के कारण बनाया गया था। कांग्रेस ने वक्फ एक्ट में ऐसे नियम बनाए जो संविधान की भावना के अनुरूप नहीं थे। हमने वक्फ विधेयक को संविधान के दायरे में रखा है, जबकि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए कानून को तोड़-मरोड़ कर पेश किया था। अमित शाह ने कहा कि वक्फ बोर्ड ने दिल्ली में 123 प्रमुख स्थानों को वक्फ संपत्ति घोषित कर रखा है। प्रयागराज में ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद पार्क (जहां आजाद ने अपना बलिदान दिया था) को भी वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है।

और बड़े जनादेश के साथ बिहार में फिर बनेगी राजग सरकार- गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राजग बिहार में फिर से बड़े जनादेश के साथ सरकार बनाएगा। भाजपा, जदयू और कुछ अन्य दलों का गठबंधन मिलकर काम कर रहा है। हाल के दिनों में गठबंधन की कई बैठकें हुई हैं। बिहार में राजग बहुत मजबूत है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी और नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए हैं। बिहार में पहले से भी बड़े जनादेश के साथ राजग की सरकार बनेगी। बताते चलें, बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में होने की उम्मीद है। राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार सत्ता में है।

नेपाल में 16 साल बाद फिर क्यों उठी राजशाही की मांग? कौन थे आखिरी राजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश नेपाल से एक बार फिर ऐसी खबरें आ रही हैं, जो राजशाही की पुन- मांग को लेकर है। यह खबरें इस बात से जुड़ी हुई हैं कि क्या नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए?

नेपाल लंबे समय तक दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र रहा, लेकिन लोकतंत्र के आगमन के बाद इसे सेकुलर घोषित कर दिया गया था। अब देश में राजशाही समर्थक आवाजें उठा रहे हैं और उनका कहना है कि लोकतंत्र की व्यवस्था को खत्म करके शाही परिवार को फिर से सत्ता सौंप दी जाए।

राजशाही समर्थकों का आंदोलन- हाल ही में काठमांडू की सड़कों पर राजशाही समर्थकों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों ने ÷राजा वापस आओ, देश बचाओ÷ जैसे नारे लगाए।

उनका आरोप है कि नेपाल के राजनीतिक दल पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुके हैं और वे दूसरे धर्मों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके कारण नेपाल की पहचान खत्म हो सकती है। उनके अनुसार, केवल शाही परिवार ही देश की स्थिति को सुधार सकता है। उनका कहना है कि जब शाही परिवार सत्ता में था, तब देश की समस्याओं का समाधान हुआ करता था।

नेपाल के सामाजिक और आर्थिक हालात- नेपाल में युवाओं का रोजगार के लिए विदेश पलायन बढ़ गया है, जबकि देश की आर्थिक स्थिति भी संकटग्रस्त है। यहां के राजनीतिक दलों के बीच भ्रष्टाचार और ढीले रवैये को लेकर भी लोग लगातार नाराजगी जता रहे हैं।

राजनीतिक असंतोष के साथ-साथ लोग नेपाल की विदेश नीति से भी परेशान हैं। शाही परिवार के पुनर्निर्माण की मांग का मुख्य कारण यह भी है कि लोग महसूस करते हैं कि वर्तमान सरकार उनके लिए कुछ नहीं कर रही है और देश का भविष्य असमंजस में है।

हाल ही में राजशाही समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें एक पत्रकार सहित दो लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। इस संघर्ष के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरीकेड्स तोड़ने की कोशिश की और पुलिस से टकरा गए।

नेपाल में धर्म और जनसंख्या- नेपाल में धर्म को लेकर भी एक बड़ा विवाद बना हुआ है। 2021 के सेंसस के मुताबिक, नेपाल में हिंदू धर्म को मानने वाले लोग 81 प्रतिशत से ज्यादा हैं। इसके बाद बौद्ध धर्म, इस्लाम और ईसाई धर्म के अनुयायी हैं।

हाल के वर्षों में क्रिश्चियनिटी ने देश में अच्छी खासी वृद्धि की है, जिससे कुछ हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी चिंतित हैं। क्रिश्चियन कम्युनिटी सर्वे के मुताबिक, नेपाल में हाल के कुछ वर्षों में लगभग 7,758 चर्च बन गए हैं।

ट्रंप के निशाने पर फ्रांसीसी कंपनियां, सख्त आदेश जारी; पलटवार की तैयारी में फ्रांस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी सरकारी अनुबंधों के तहत काम कर रही फ्रांसीसी कंपनियों को एक आदेश भेजा है, जिसमें उनसे विविधता, समानता और समावेशन कार्यक्रमों के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश का पालन करने को कहा गया है। इन कंपनियों से संघीय विरोधी भेदभाव कानून के अनुपालन से संबंधित प्रमाणपत्र नामक एक प्रश्नावली भरने को कहा गया है।

फ्रांसीसी कंपनियों में चिंता- यह कदम यूरोपीय कंपनियों के बोर्डरूम में चिंता का कारण बन सकता है, क्योंकि यह संकेत करता है कि ट्रंप प्रशासन विदेशों में भी DEI कार्यक्रमों के खिलाफ अपनी लड़ाई को बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम अमेरिकी-यूरोपीय संबंधों को और जटिल बना सकता है, जो पहले ही टैरिफ और सुरक्षा संबंधों के कारण प्रभावित हो चुके हैं।

फ्रांसीसी सरकार ने की प्रतिक्रिया की तैयारी- फ्रांस के वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड के करीबी एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले को अमेरिकी सरकार के साथ उठाया जाएगा। अधिकारी ने कहा, यह प्रैक्टिस अमेरिकी सरकार के नए मूल्यों को दर्शाती है, जो हमारे समान नहीं हैं। मंत्री अमेरिकी सरकार के अपने समकक्षों को इस बारे में याद दिलाएंगे।

कंपनियों की पहचान नहीं हो पाई- रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा और अवसंरचना कंपनियां उन कंपनियों में शामिल हो सकती हैं जिनके पास अमेरिकी सरकार के अनुबंध हैं और जिन्हें यह पत्र भेजा गया है।

हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि क्या इस तरह के पत्र और प्रश्नावली अन्य यूरोपीय देशों की कंपनियों को भी भेजे गए हैं। ट्रंप ने DEI पहलों को समाप्त करने की कोशिश की है, जिन्हें वे और उनके आलोचकों के अनुसार भेदभावपूर्ण मानते हैं।

टेक्सास में बाढ़ से हाहाकार, तीन लोगों की मौत और 200 का हुआ रेस्क्यू

टेक्सास के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार और शुक्रवार को भारी तूफान के बाद तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इन तूफानों ने कई घरों को जलमग्न कर दिया और वाहन फंसे रहे। हर्लिंजन शहर में सप्ताहभर में 21 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे शहर में भीषण बाढ़ आ गई।

बचाव कार्य जारी- हर्लिंजन के मेयर नॉर्मा सेपुलवेडा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷यह शहर के लिए एक चुनौतीपूर्ण घटना रही है, लेकिन हर्लिंजन मजबूत है और हम इससे उबरेंगे। पाम वैली में जियोनी ओचोआ और पोल्यान ओचोआ अपने घर में जलमग्न होकर फंसे रहे। उन्होंने बताया कि उनके घर में पानी भर गया और बिजली के सॉकेट से भी पानी आ रहा था।

बाढ़ में फंसे 200 से ज्यादा निवासी- अलामो में 100 से अधिक जल बचाव ऑपरेशन किए गए, जिसमें फंसे हुए लोगों को बचाया गया। अलामो में लगभग 200 घरों को बाढ़ ने प्रभावित किया। वेस्लाको में भी करीब 14 इंच बारिश हुई, जिससे लगभग 30 से 40 जलमग्न बचाव ऑपरेशन किए गए।

हिटलर के डर से सालों तक जमीन में दफना रखा था खजाना, संदूक खुलते ही मिली 855 करोड़ रुपये की चीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रैवलर कलेक्शन की कहानी केवल एक सिक्कों को इकट्ठा करने की नहीं बल्कि एक ऐसी अद्भुत कहानी है जो सदियों की इतिहास की झलक प्रस्तुत करती है। यह संग्रह 15,000 दुर्लभ सिक्कों से भरा हुआ है, जो दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से लाए गए हैं।

इन सिक्कों का सबसे खास पहलू यह है कि इनमें से अधिकांश 50 साल से भी ज्यादा समय तक जमीन के नीचे दफन रहे थे।

संग्रह की शुरुआत और उसकी छिपी हुई कहानी- इस संग्रह के पहले मालिक का नाम आज भी गुप्त है, लेकिन उनकी कहानी बहुत रोचक है। 1929 में वॉल स्ट्रीट क्रैश के बाद उन्होंने सोने में निवेश करने की शुरुआत की, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति खराब न हो।

समय के साथ उन्हें सिक्कों की कला, दुर्लभता और ऐतिहासिक महत्व का एहसास हुआ और उन्होंने सिक्कों को इकट्ठा करना शुरू किया। 1930 के दशक में वो और उनकी पत्नी ने यूरोप और अमेरिका के कई देशों का दौरा किया और सिक्के इकट्ठा करते रहे।

जॉय बांग्ला ब्रिगेड पर बांग्लादेश में गृह युद्ध की साजिश का आरोप, शेख हसीना समेत 73 के खिलाफ FIR दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पुलिस ने यह मामला दर्ज कराया है। शेख हसीना के अलावा 72 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर बांग्लादेश में गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप है।

सीआईडी ने दर्ज किया मामला- बांग्लादेश के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग ने अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर मामला दर्ज किया है।

जॉय बांग्ला ब्रिगेड पर आरोप- अदालत ने मामले का संज्ञान लिया और गुरुवार को सीआईडी को जांच शुरू करने को कहा। सीआईडी ने 19 दिसंबर 2024 को हुई एक ऑनलाइन बैठक की जानकारी मिलने के बाद मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बैठक में शामिल लोगों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक एक मंच बनाया है। इसके माध्यम से गृह युद्ध भड़का कर हसीना को दोबारा सत्ता में लाने का प्लान है।

बैठक में 577 लोग थे शामिल- पुलिस ने बताया कि बैठक में बांग्लादेश और विदेश से कुल 577 लोगों ने हिस्सा लिया था। अवामी लीग के अमेरिकी चैप्टर के उपाध्यक्ष आलम ने यह बैठक बुलाई थी। मामले में उन्हें दूसरे नंबर का आरोपित बनाया गया है। बैठक में सभी ने शेख हसीना के निर्देश का अनुशरण किया।

नेपाल में 100 से अधिक राजशाही समर्थक गिरफ्तार, काठमांडू से हटा कर्फ्यू; पूर्व पीएम ने की बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शन के दौरान घरों को जलाने और वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले 105 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे राजतंत्र की बहाली और हिंदू राज्य की मांग कर रहे थे।

हिंसक हुआ प्रदर्शन- गिरफ्तार किए गए लोगों में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव धवल शमशेर राणा और पार्टी के केंद्रीय सदस्य रवींद्र मिश्रा शामिल हैं। प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाई सुरक्षा बैरिकेड तोड़कर संसद भवन की ओर बढ़ गए।

काठमांडू जिला पुलिस रेंज के पुलिस अधीक्षक अपिल बोहरा ने बताया कि प्रसाई अभी फरार है। अधिकारियों ने शनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से में तनाव कम होने के बाद कर्फ्यू हटा लिया। एनआइ के अनुसार, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर शुक्रवार को हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

पुष्प कमल दहल ने किया आह्वान- शनिवार सुबह सोशलिस्ट फ्रंट के तोड़फोड़ वाले कार्यालय का दौरा करने वाले दहल ने सरकार से पूर्व राजा को दी गई स्वतंत्रता को सीमित करने का भी आह्वान किया। दहल ने कहा कि स्पष्ट हो गया है कि इन सभी कृत्यों के पीछे ज्ञानेंद्र शाह का हाथ है।

उन्होंने कहा, शाह की मंशा ठीक नहीं है। यह पहले भी देखा गया है और अब भी देखा जा रहा है। समय आ गया है कि सरकार सख्त कार्रवाई करे।

म्यांमार में फिर लगे भूकंप के झटके, लोगों में दहशत; अबतक एक हजार से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

जानकारी के अनुसार म्यांमार में शुक्रवार को आए भूकंप में 1000 से अधिक लोगों की जान गई है। वहीं, घायलों की संख्या 2400 से अधिक बताई जा रही है।

शनिवार को भी आया भूकंप- इस विनाशकारी भूकंप के बाद म्यांमार के लोगों में दहशत का माहौल है। इस बीच शनिवार को भी म्यांमार के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार आज दोपहर 2.50 बजे म्यांमार में रिक्टर पैमाने पर 4.7 तीव्रता का भूकंप आया।

शनिवार को फिर भूकंप के झटकों के महसूस होने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। शुक्रवार को आए भूकंप के बाद देश के म्यांमार के विभिन्न हिस्सों में मलबा देखने को मिल रहा है। राहत और बचाव का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है।

कहां था भूकंप का केंद्र- म्यांमार में शुक्रवार को आए भूकंप का केंद्र मांडले के पास था। इसके कारण म्यांमार सहित थाईलैंड के बैंकॉक में भी तेज झटके महसूस किए गए। म्यांमार में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है।

इसके साथ यहां पर कई इमारतें धराशायी हो गईं- म्यांमार के साथ बैंकॉक में एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। जानकारी दें कि भूकंप की तीव्रता 7.7 मापी गई और इसके बाद कई आफ्टरशॉक्स आए, जिनमें से एक की तीव्रता 6.4 थी। शनिवार को भी म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

तीस्ता नदी जल प्रबंधन भारत से छीनकर चीन को देगा बांग्लादेश, युनुस ने किया वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान 22 जून, 2024 को पूर्व पीएम शेख हसीना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में तीस्ता नदी जल प्रबंधन का काम भारत को देने का वादा किया था। दोनों नेताओ में सहमति बनी थी कि जल्द ही एक भारतीय टीम ढाका का दौरा करेगी जो तीस्ता जल प्रबंधन की भावी योजना की रूपरेखा तैयार करेगी।

अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने चीन की कंपनियों को भारत के लिए बेहद संवेदनशील इस नदी परियोजना का काम देने का वादा किया है। यूनुस ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसमें नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। कुछ समझौते भारत के हितों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

सिर्फ तीस्ता जल प्रबंधन का ही नहीं बल्कि मोंगला बंदरगाह को विकसित करने के लिए भारत के साथ पूर्व आवामी लीग की सरकार के कार्यकाल में बनी सहमति को भी रद करने की मंशा यूनुस ने दिखा दी है।

यूनुस और चिनफिंग के बीच बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में बांग्लादेश ने चीन को अपनी मोंगला पोर्ट को अत्याधुनिक बनाने व विकसित करने के लिए स्वागत किया है। चीन की इस पर लंबे अरसे से नजर थी। चीन के भारी दबाव को दरकिनार कर हसीना सरकार ने जुलाई, 2024 में इसमें एक टर्मिनल को विकसित करने का अधिकार भारत को दे दिया था।

इसी तरह से यूनुस सरकार ने एलान किया है कि वह चट्टेग्राम में चीन की तरफ से एक विशेष आर्थिक क्षेत्र का गठन किया जाएगा। यह भारत के रणनीतिक हितों के लिए एक बहुत ही बड़ी चुनौती होगी।

अभी तक भारत चीन की भावी चुनौतियों से अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र को बचाने के लिए बांग्लादेश के साथ सहयोग कर रहा था।

चुनावी साल में बिहार को केंद्र की दो और बड़ी सौगात, 10 हजार करोड़ के ये दो बड़े प्रोजेक्ट मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा के इस साल होने वाले चुनाव को देखते हुए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बिहार को लेकर दो और बड़े ऐलान किए है। इसमें 6282 करोड़ से अधिक के कोसी-मेची नदीं जोड़ों प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इससे न सिर्फ सीमांत बिहार और कोसी के आसपास के क्षेत्र को बाढ़ से राहत मिलेगी बल्कि दो लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल से अधिक भूमि की सिंचाई भी हो सकेगी।

इसके साथ ही पांच राष्ट्रीय और चार राज्य के राजमार्गों को जोड़ने वाले 3712 करोड़ के 120 किमी लंबे पटना-आरा-सासाराम फोर लेन कारीडोर को भी हरी झंड़ी दी गई है। इससे बिहार में अंतरराज्यीय परिवहन की सुविधा और बेहतर हो सकेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में शुक्रवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह निर्णय लिए गए है।

कैबिनेट से जुड़े निर्णयों की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 6282 करोड़ के अधिक के कोसी- मेची नदी जोड़ो परियोजना से सीमांत बिहार सहित कोसी नदी के आसपास के एक बड़े क्षेत्र को बाढ़ की समस्या से सदैव के लिए निजात मिलेगी।

दिल्ली में चलेंगी तेज हवाएं, महाराष्ट्र-कर्नाटक में गरज के साथ बारिश; कश्मीर में भारी बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विज्ञान विभाग ने ताजा मौसम अलर्ट जारी किए हैं जिसमें बताया गया है कि आज दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं चलेंगी। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

ओडिशा में लू की चेतावनी जारी की गई है, जबकि गुजरात और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ और मध्य पाकिस्तान और पूर्वोत्तर असम पर इससे जुड़े चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी और पूर्वोत्तर भारत में मौसम की स्थिति को प्रभावित करने वाले हैं।

दिल्ली में पड़ रही तेज गर्मी- शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक 20.9 डिग्री दर्ज किया गया। यह गर्मियों के इस सीजन में अब तक का सर्वाधिक है। वहीं तेज हवाओं के असर से अधिकतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री कम 32.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 23.1 की दृष्टि राजघाट दिल्ली के सबसे गर्म इलाके रहे। मौसम विभाग की मानें तो अभी एक दो दिन और तीखी गर्मी से राहत बनी रह सकती है।

रविवार से तापमान में दोबारा होगी बढ़ोतरी- मौसम विभाग का पूर्वानुमन है कि शनिवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। बीच बीच में हवा की रफ्तार 40 किमी प्रति घंटा भी पहुंच सकती है।

क्या है सैगोंग फॉल्ट? जिसने म्यांमार व थाईलैंड में मचाई तबाही, आगे भी विनाशकारी भूकंप का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप के बाद भारत ने 50 टन राहत सामग्री भेजी है। दोनों देशों के अधिकारी संपर्क में हैं। म्यांमार में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा एक हजार के पार हो चुका है। सैगोंग फॉल्ट ने म्यांमार में तबाही मचाई है। आइये जानते हैं भूकंप के लिए जिम्मेदार सैगोंग फॉल्ट के बारे में।

भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है म्यांमार- म्यांमार भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। ग्लोबल सीस्मिक रिस्क मैप पर म्यांमार रेड जोन में है। इसका मतलब है भूकंप का मध्यम से अधिक खतरा।

सैगोंग शहर के पास से गुजरती है दरार- म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में एक बहुत बड़ी दरार मौजूद है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सैगोंग शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सैगोंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है।

तेजी से खिसक रही हैं चट्टानें लाती हैं शक्तिशाली भूकंप- इसे स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट कहते हैं। इसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे के बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं, ऊपर-नीचे नहीं। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं जैसे दो किताबें टेबल पर रखी हों और उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ स्लाइड किया जाए। सैगोंग फॉल्ट में चट्टानों के खिसकने की अनुमानित रफ्तार 11 मिलीमीटर से 18 मिलीमीटर सालाना है।

चट्टानों के लगातार खिसकने से ऊर्जा का दबाव बनता है और यह समय-समय पर भूकंप के रूप में ऊर्जा बाहर निकलती है। सालाना 18 मिलीमीटर तक जमीन खिसकने का मतलब है कि यहां जमीन के नीचे काफी अधिक हलचल है। इसकी वजह से बड़े पैमाने पर ऊर्जा इकठ्ठा हो रही है, जो शक्तिशाली भूकंप ला सकती है।

सहयोग पोर्टल को सेंसरशिप टूल बताने पर केंद्र ने जताई आपत्ति, एक्स के दावे को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और भारत सरकार के बीच डिजिटल सेंसरशिप को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। ये विवाद अब कर्नाटक हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट में केंद्र सरकार ने एक हलफनामा पेश किया है और एक्स के कई दावे को खारिज किया है।

केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स द्वारा सहयोग पोर्टल को सेंसरशिप टूल बताए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है और इस दावे को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है।

दरअसल, ये पूरा मामला अभिव्यक्ति की आजादी और डिजिटल रेगुलेशन से जुड़ा हुआ है। एक्स द्वारा काफी समय से केंद्र सरकार पर अति-नियंत्रण का आरोप लगाया जाता रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने साफ तौर पर कहा है कि केवल डिजिटल स्पेस को सुरक्षित रखने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाए जाते रहे हैं।

एक्स ने लगाए हैं ये आरोप

जानकारी दें कि एक्स ने हाल के दिनों में केंद्र सरकार के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया था। इस याचिका में एक्स ने आरोप लगाया कि भारत सरकार, आईटी कानून की धारा 69(ए) का दुरुपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। एक्स का आरोप है कि बिना किसी उचित प्रक्रिया अपनाए ही ऑनलाइन कंटेंट को ब्लॉक किया जा रहा है। एक्स ने यह भी दावा किया है कि इससे ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असर पड़ रहा है।

सहयोग पोर्टल को लेकर भी एक्स ने उठाए सवाल- उधर, एक्स ने सहयोग पोर्टल को लेकर भी आरोप लगाए हैं। एक्स का मुख्य आरोप है कि सहयोग पोर्टल के माध्यम से सरकार डायरेक्ट कंटेंट ब्लॉक करने के लिए कर रही है। इससे भी आईटी प्रवधानों का उल्लंघन हो रहा है।

कैसा ये इश्क है! दो लड़कियों से हुआ प्यार, लड़के ने एक ही मंडप में दोनों से रचाई शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंसान को जीवन में कभी न कभी किसी से प्यार होता है और वो अपने प्यार के साथ ही पूरी जिंदगी साथ रहना भी चाहता है। लेकिन क्या हो, जब किसी एक लड़के को दो लड़कियों से प्यार हो जाए और वो दोनों ही लड़कियों के साथ जिंदगी बिताना चाहे?

तेलंगाना में व्यक्ति ने दो महिलाओं से की शादी- ऐसा ही एक अनोखा मामला तेलंगाना से सामने आया है, जहां एक युवक ने एक ही मंडप में दो लड़कियों से शादी की है। मामला कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले का है। सूर्यदेव नामक व्यक्ति ने एक ही समय में दो महिलाओं, लाल देवी और झलकारी देवी से शादी की है।

सूर्यदेव न शादी के निमंत्रण कार्ड पर दोनों दुल्हनों के नाम छपवाए और एक भव्य समारोह का आयोजन भी किया। इस शादी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ये दोनों महिलाओं उस व्यक्ति का हाथ थामे नजर आ रही हैं। शादी की सारी रस्में रिश्तेदारों और परिवार वालों की मौजूदगी में निभाई गई है।

शादी करवाने में गांव वालों ने की मदद- बताया जा रहा है कि, सूर्यदेव को लाल देवी और झलकारी देवी से प्यार हो गया था, जिसके बाद तीनों ने साथ रहने का फैसला किया। हालांकि, शुरुआत में गांव के बुजुर्ग इस शादी के लिए राजी नहीं थे, लेकिन फिर बाद में मान गए और तीनों की शादी करवाने में मदद भी की।

पहले भी हुई है ऐसी घटना- हालांकि, भारत में हिंदुओं के लिए बहुविवाह करना गैरकानूनी है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसी घटना हुई है, इससे पहले 2021 में तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में एक व्यक्ति ने एक ही मंडप में दो महिलाओं से शादी की थी। इसी तरह 2022 में झारखंड में एक युवक ने अपनी दो गर्लफ्रेंड के साथ शादी की थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा

संपादकीय

सदियों से मनाया जाने वाला चेट्रीचंड्र पर्व सद्भावना भाईचारे एकता,अन्याय पर न्याय की विजय और धार्मिक आस्था का है

सदियों से मनाया जाने वाला चेट्रीचंड्र पर्व सद्भावना भाईचारे एकता,अन्याय पर न्याय की विजय और धार्मिक आस्था का प्रतीक भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तरपर कई देशों में 30 मार्च 2025 को चेट्रीचंड्र महोत्सव और आयोलाल झूलेलाल जयकारों की गूंज होंगी - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

भारतवर्ष सदियों से आध्यात्मिकता में विश्वास रखने वाला विश्व का ऐसा पहला देश है जहां हजारों वर्ष पूर्व से ही अखंड भारत में आध्यात्मिकता भारत की संस्कृति की नींव रही है, क्योंकि अगर हम इतिहास को खंगाले तो हमें पौराणिक कथाओं से भरपूर मिलेंगे जो आज भी भारतीय पुरातत्व विभाग की खुदाई या अन्वेशण में अनेक आध्यात्मिकता की वस्तुएं पाई जाती है, जो हजारों वर्ष पूर्व की अनुमानित होती है। भारत भर में विभिन्न धर्म, समुदाय और जातियों का समावेश है इसलिए यहां अनेकता में एकता के दर्शन होते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि यहां सभी धर्मों के त्योहारों को प्रमुखता से मनाया जाता है, चाहे दिवाली हो, ईद या फिर क्रिसमस या फिर भगवान झूलेलाल जयंती उत्सव जो सप्ताह भर झूलेलाल सप्ताह के नाम पर मनाया जाता है जिसमें सप्ताह भर अनेक कार्यक्रम किए जाते हैं। चुके 30 मार्च 2025 को झूलेलाल जयंती महोत्सव है इसलिए आज हम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल माध्यम से चर्चा करेंगे, पूरी दुनियाँ में मनाया जाएगा 1075 वाँ चेट्रीचंड्र (झूलेलाल जयंती) महोत्सव 30 मार्च 2025

साथियों बात अगर हम इसी आध्यात्मिकता औरविश्वसनीयता की करें तो 30 मार्च 2025 को वैश्विकस्तरपर जिस भी देश में सिंधी समाज के भाई बहन होंगे वहां झूलेलाल जयंती चेट्रीचंड्र महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, जो सदियों से मनाया जाने वाला सद्भाव, भाईचारे, एकता, अखंडता, अन्याय पर न्याय की विजय और धार्मिक आस्था का प्रतीक माना जाता है। झूलेलाल जयंती पर्व मनाने का कारक, सभी पर्व त्योहारों की तरह इस पर्व को मनाने के पीछे भी पौराणिक कथाएं हैं।

साथियों बात अगर हम भगवान झूलेलाल की करें तो इतिहास और मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार धर्म की रक्षा के लिए झूलेलाल साईं ने अवतार लिया था इस संबंध में दो कथाएं प्रचलित हैं (1)पहली, संवत् 1007 में सिंध प्रदेश के ठट्ठा नगर में मिरखशाह नामक एक सम्राट राज्य करता था। उसने जुल्म करके समुदाय के लोगों को विशेष धर्म स्वीकार करवाया। उसके जुल्मों से तंग आकर एक दिन सभी पुरुष, महिलाएं, बच्चे व बूढ़े सिंधु नदी के पास एकत्रित हुए और उन्होंने वहां भगवान का स्मरण किया। कड़ी तपस्या करने के बाद सभी भक्तजनों को मछली पर सवार एक अद्भुत आकृति दिखाई दी।पल भर के बाद ही वह आकृति भक्तजनों की आंखों से ओझल हो गई। तभी आकाशवाणी हुई कि धर्म की रक्षा के लिए मैं आज से ठीक सात दिन बाद श्रीरतनराय के घर में माता देवकी की कोख से जन्म लूंगा।निश्चित समय पर रतनराय जी के घर एक सुंदर बालक का जन्म हुआ जिसका नाम उदयचंद रखा गया।मिरखशाह के कानों में जब उस बालक के जन्म की खबर पहुंची, तो वह अत्यंत विचलित हो गया। उसने इस बालक के मारने की सोची परंतु उसकी चाल सफल नहीं हो पाई। तेजस्वी मुस्कान वाले बालक को देखकर उसके मंत्री दंग रह गए। तभी अचानक वह बालक वीर योद्धा के रूप में नीले घोड़े पर सवार होकर सामने खड़ा हो गया। अगले ही पल वह बालक विशाल मछली पर सवार दिखाई दिया। मंत्री ने घबराकर उनसे माफी मांगी। बालक ने उस समय मंत्री को कहा कि वह अपने हाकिम को समझाए कि हिंदू-मुसलमान को एक ही समझे और अपनी प्रजा पर अत्याचार न करे, लेकिन मिरखशाह नहीं माना। तब भगवान झूलेलाल ने एक वीर सेना का संगठन किया और मिरखशाह को हरा दिया।

गुड़ी पड़वा

गुढी पाडवा के दिन हिन्दू नव संवत्सरारम्भ माना जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुढी पाडवा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। इस दिन हिन्दु नववर्ष का आरम्भ होता है। गुढी का अर्थ विजय पताका होता है। कहते हैं की मराठी राजा शालिवाहन ने मिट्टी के सैनिकों की सेना से प्रभावी शत्रुओं (शक) का पराभव किया। इस विजय के प्रतीक रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। 'युग' और 'आदि' शब्दों की संधि से बना है 'युगादि'। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'उगादि' और महाराष्ट्र में यह पर्व गुढी पाडवा अर्थात् मराठी नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चैत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है।

परिचय

कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। अत इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं पल्लवित व पुष्पित होती हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन का मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। इसे औषधियों और वनस्पतियों का राजा कहा गया है। इसीलिए इस दिन को वर्षारम्भ माना जाता है।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में सारे घरों को आम के पेड़ की पत्तियों के बंदनवार से सजाया जाता है। सुखद जीवन की अभिलाषा के साथ-साथ यह बंदनवार समृद्धि, व अच्छी फसल के भी परिचायक हैं। 'उगादि' के दिन ही पंचांग तैयार होता है। महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए 'पंचांग ' की रचना की। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को महाराष्ट्र में गुढीपाड़वा कहा जाता है। वर्ष के साढ़े तीन मुहूतारें में गुड़ीपड़वा की गिनती होती है। शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है।

लोककथा है कि मराठी राजा शालिवाहन (सातवाहन) नामक एक राजा ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिए और इस सेना की मदद से शिक्तशाली शत्रुओं (शक) को पराजित किया। इतिहास प्रमाण यह है की शालिवाहन? राजा थे और उनकी विशाल सेना ने शक नामक शत्रुओं को पराजित किया। और मराठी साम्राज का विस्तार किया।शालिवाहन राजा देवी के उपासक थे और कहा जाता है कि वे देवी को एक शॉल भेंट करते थे। उन्हें शुरुआत में शतवाहन भी कहा जाता था, क्योंकि वे सात चक्रों को मानते थे (शतवाहन का अर्थ है सात चक्र)। इसलिए उन्हें पहले शतवाहन कहा जाता था लेकिन बाद में यह बदलकर शालिवाहन हो गया। लेकिन शालिवाहन का प्रतीक गुड़ी हुआ करता था, जिसका अर्थ है झंडा, और उसके ऊपर एक विशेष आकार का घड़ा, जो कुंडलिनी का प्रतिनिधित्व करता था। वे कुंडलिनी के उपासक थे। उन्होंने कुंडलिनी को पहचाना और पूजा. इस विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ हुआ। कई लोगों की मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम ने वानरराज बाली के अत्याचारी शासन से दक्षिण की प्रजा को मुक्ति दिलाई। बाली के त्रास से मुक्त हुई प्रजा ने घर-घर में उत्सव मनाकर ध्वज (गुड़ियां) फहराए। आज भी घर के आंगन में गुड़ी खड़ी करने की प्रथा महाराष्ट्र में प्रचलित है। इसीलिए इस दिन को गुढीपाडवा नाम दिया गया। इसलिये इसे मराठी नया साल कहते हैं।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश में घरों में 'पच्चड़ी/प्रसादम' तीर्थ के रूप में बांटा जाता है। कहा जाता है कि इसका निराहार सेवन करने से मानव निरोगी बना रहता है। चर्म रोग भी दूर होता है। इस पेय में मिली वस्तुएं स्वादिष्ट होने के साथ-साथ आरोग्यप्रद होती हैं। महाराष्ट्र में पूरन पोली या मीठी रोटी बनाई जाती है। इसमें जो चीजें मिलाई जाती हैं वे हैं--गुड़, नमक, नीम के फूल, इमली और कच्चा आम। गुड़ मिठास के लिए, नीम के फूल कड़वाहट मिटाने के लिए और इमली व आम जीवन के खट्टे-मीठे स्वाद चखने का प्रतीक होती हैं। यूँ तो आजकल आम बाजार में मौसम से पहले ही आ जाता है, किन्तु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इसी दिन से खाया जाता है। नौ दिन तक मनाया जाने वाला यह त्यौहार दुर्गापूजा के साथ-साथ, रामनवमी को राम और सीता के विवाह के साथ सम्पन्न होता है।

इतिहास में वर्ष प्रतिपदा

ब्रह्म पुराण के अनुसार ब्रह्मा द्वारा सृष्टि का सृजन

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का राज्याभिषेक

माँ दुर्गा की उपासना की नवरात्र व्रत का प्रारम्भ

युगाब्द (युधिष्ठिर संवत) का आरम्भ तथा उनका राज्याभिषेक

उज्जयिनी सम्राट- विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत् प्रारम्भ [5]

शालिवाहन शक संवत् (भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग) का प्रारम्भ

महर्षि दयानन्द द्वारा आर्य समाज की स्थापना का दिवस [6]

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिवस

सिख परंपरा के द्वितीय गुरु अंगद देव जी के जन्म दिवस

सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल का प्रकट दिवस

नव वर्ष का प्रारम्भ प्रतिपदा से ही क्यों

भारतीय नववर्ष का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही माना जाता है और इसी दिन से ग्रहों, वारों, मासों और संवत्सरों का प्रारंभ गणितीय और खगोल शास्त्रीय संगणना के अनुसार माना जाता है। आज भी जनमानस से जुड़ी हुई यही शास्त्रसम्मत कालगणना व्यावहारिकता की कसौटी पर खरी उतरी है। इसे राष्ट्रीय गौरवशाली परंपरा का प्रतीक माना जाता है। विक्रमी संवत किसी संकुचित विचारधारा या पंथाश्रित नहीं है। हम इसको पंथ निरपेक्ष रूप में देखते हैं। यह संवत्सर किसी देवी, देवता या महान पुरुष के जन्म पर आधारित नहीं, ईस्वी या हिजरी सन की तरह किसी जाति अथवा संप्रदाय विशेष का नहीं है। हमारी गौरवशाली परंपरा विशुद्ध अर्थों में प्रकृति के खगोलशास्त्रीय सिद्धातों पर आधारित है और भारतीय कालगणना का आधार पूर्णतया पंथ निरपेक्ष है।

प्रतिपदा का यह शुभ दिन भारत राष्ट्र की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। ब्रह्म पुराण के अनुसार चैत्रमास के प्रथम दिन ही ब्रह्मा ने सृष्टि संरचना प्रारंभ की। यह भारतीयों की मान्यता है, इसीलिए हम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नववर्षारंभ मानते हैं।

आज भी भारत में प्रकृति, शिक्षा तथा राजकीय कोष आदि के चालन-संचालन में मार्च, अप्रैल के रूप में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही देखते हैं। यह समय दो ऋतुओं का संधिकाल है। इसमें रातें छोटी और दिन बड़े होने लगते हैं। प्रकृति नया रूप धर लेती है। प्रतीत होता है कि प्रकृति नवपल्लव धारण कर नव संरचना के लिए ऊर्जस्वित होती है। मानव, पशु-पक्षी, यहां तक कि जड़-चेतन प्रकृति भी प्रमाद और आलस्य को त्याग सचेतन हो जाती है। वसंतोत्सव का भी यही आधार है। इसी समय बर्फ पिघलने लगती है। आमों पर बौर आने लगता है। प्रकृति की हरीतिमा नवजीवन का प्रतीक बनकर हमारे जीवन से जुड़ जाती है।

इसी प्रतिपदा के दिन आज से 2054 वर्ष पूर्व उज्जयनी नरेश महाराज विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांत शकों से भारत-भू का रक्षण किया और इसी दिन से काल गणना प्रारंभ की। उपकृत राष्ट्र ने भी उन्हीं महाराज के नाम से विक्रमी संवत कह कर पुकारा। महाराज विक्रमादित्य ने आज से 2054 वर्ष पूर्व राष्ट्र को सुसंगठित कर शकों की शक्ति का उन्मूलन कर देश से भगा दिया और उनके ही मूल स्थान अरब में विजयश्री प्राप्त की। साथ ही यवन, हूण, तुषार, पारसिक तथा कंबोज देशों पर अपनी विजय ध्वजा फहराई। उसी के स्मृति स्वरूप यह प्रतिपदा संवत्सर के रूप में मनाई जाती थी और यह क्रम पृथ्वीराज चौहान के समय तक चला। महाराजा विक्रमादित्य ने भारत की ही नहीं, अपितु समस्त विश्व की सृष्टि की। सबसे प्राचीन कालगणना के आधार पर ही प्रतिपदा के दिन को विक्रमी संवत के रूप में अभिषिक्त किया। इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र के राज्याभिषेक अथवा रोहण के रूप में मनाया गया। यह दिन ही वास्तव में असत्य पर सत्य की विजय दिलाने वाला है।

आरबीआई ने दिया झटका, अब कैश निकालने पर देना होगा ज्यादा चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एटीएम से कैश निकालने पर एक लिमिट तक आपको कोई भी शुल्क नहीं देना पड़ता है। लेकिन लिमिट पूरी होने के बाद आपके अकाउंट से एक निश्चित चार्ज काटा जाता है।

पीटीआई के मुताबिक अब यहीं चार्ज बढ़ने वाला है। 1 मई 2025 से कैश विड्रॉल चार्जिस को 2 रुपये तक बढ़ा दिया जाएगा। जिसका मतलब हुआ कि एटीएम से कैश निकालना और भी महंगा पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुल्क बढ़ाने का ये फैसला एटीएम ऑपरेशन कॉस्ट को देखकर लिया गया है।

अभी कितना लगता है चार्ज- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक अभी हर व्यक्ति को लिमिट से ज्यादा कैश विड्रॉल करने पर 21 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन चार्ज देना होता है। हालांकि 1 मई से ये चार्ज 23 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट की माने तो ये बदलाव देश की केंद्रीय बैंक,आरबीआई और एनपीसीआई दोनों ने मिलकर किया है। इस बदलाव के तहत 1 मई 2025 से एटीएम मशीन से कैश निकालने पर लगने वाला चार्ज बढ़ जाएगा।

देश का हर एक व्यक्ति एक लिमिट तक ही एटीएम से कैश फ्री में निकाल सकता है। लेकिन लिमिट पूरी होने के बाद आपको इंटरचेंज फीस देनी होती है। इंटरचेंज फीस वहीं है, जो एक बैंक दूसरे बैंक को उसके ग्राहकों द्वारा एटीएम इस्तेमाल करने पर देता है।

लिमिट पूरी होने पर यहीं चार्ज बैंक अपने ग्राहकों से शुल्क के नाम पर वसूलता है। अभी ज्यादातर बैंक अपने ग्राहकों से लगभग 21 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन चार्ज ले रहे हैं।

इतनी बार कर सकते है मुफ्त ट्रांजेक्शन- देश की केंद्रीय बैंक, आरबीआई के अनुसार सभी ग्राहक एक तय लिमिट तक ही फ्री में पैसा निकाल सकते हैं। मेट्रो सिटी जैसे मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलुरू) में हर महीने व्यक्ति तीन ट्रांजेक्शन शुल्क फ्री कर सकता है।

एक अप्रैल से बदल रहे इनकम टैक्स के नियम, मिडिल क्लास के लिए बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एक अप्रैल से नए फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत होने वाली है। इस फाइनेंशियल ईयर में कई ऐसे बदलाव होने वाले हैं जिसका फायदा मिडिल क्लास को फायदा मिलेगा। इनमें से एक फैसला इनकम टैक्स से जुड़ा है। दरअसल, बीते एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स के नए रिजीम को लेकर कई ऐलान किए थे, जो एक अप्रैल से लागू होने वाले हैं। आइए सिलसिलेवार जान लेते हैं।

12 लाख रुपये तक की छूट- निर्मला सीतारमण ने नौकरीपेशा और मिडिल क्लास को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को पूरी तरह से इनकम टैक्स से छूट देने की घोषणा की। इनकम टैक्स छूट नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले टैक्सपेयर्स को मिलेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए 75,000 रुपये की स्टैंडर्ड कटौती के साथ अब 12.75 लाख रुपये तक कोई टैक्स नहीं लगेगा। उन्होंने टैक्स स्लैब में भी बदलाव किया है। इससे 25 लाख रुपये तक सालाना कमाने वालों को टैक्स में 1.1 लाख रुपये की बचत होगी।

इनकम टैक्स छूट लिमिट को सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से एक करोड़ लोगों को कोई टैक्स नहीं देना होगा। टैक्स स्लैब में बदलाव से 6.3 करोड़ लोगों यानी 80 प्रतिशत से अधिक टैक्सपेयर्स को लाभ होगा।

दोगुना हो जाएगा पावर कंपनी का यह शेयर, ब्रोकरेज का अनुमान, राष्ट्रपति के पास भी हैं 677 करोड़ स्टॉक, 86 भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी एनएचपीसी के शेयर इन दिनों खूब चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 6त्न से अधिक चढ़कर 86.91 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। इससे पहले इसका बंद प्राइस 81.24 रुपये था। इधर, हांगकांग स्थित ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने कंपनी के शेयर पर हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है। ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने शुक्रवार, 28 मार्च को सरकारी कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड के शेयरों में पिछले बंद भाव से 44% की तेजी का अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज ने इस शेयर पर 117 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। सीएलएसए को उम्मीद है कि अगले चार सालों में शेयर की कीमत दोगुनी हो जाएगी।

क्या है डिटेल - ब्रोकरेज ने कहा कि उसे पूरा भरोसा है कि एनएचपीसी अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी पार्वती 2 जलविद्युत परियोजना (पी2 एचईपी) चालू कर देगी। बता दें कि गुरुवार को एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा था कि पार्वती-II हाइड्रो पावर परियोजना (4×200 मेगावाट) की यूनिट 3 (200 मेगावाट) का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। बाकी दो इकाइयों का ट्रायल रन 31 मार्च तक पूरा होने की संभावना है।

कंपनी के शेयरों के हाल - स्टॉक पर कवरेज करने वाले 10 एनालिस्ट में से पांच ने इसे बाय रेटिंग दी है, दो ने इसे होल्ड करें रेटिंग दी है और तीन ने इसे सेल रेटिंग दी है। शुक्रवार, 28 मार्च को कारोबार के दौरान NHPC के शेयरों में 6.9% की तेजी आई और यह 86.94 प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया था। पिछले एक महीने में इसमें 17.7% की तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले पांच साल में 330त्न तक का मुनाफा दिया है। बता दें कि एनएचपीसी के शेयर में प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया भी प्रमोटर हैं। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के पास कंपनी के 6,77,01,46,458 शेयर यानी 67.40 फीसदी स्टेक है।

NSC, PPF और सुकन्या समृद्धि समेत इन बचत योजनाओं में बदली ब्याज की दरें? सरकार ने किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (एक अप्रैल से 30 जून) के लिए पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

यह लगातार पांचवीं तिमाही है, जब ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस संबंध में जारी अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत का ब्याज मिलता रहेगा।

डाकघर बचत पर भी वही ब्याज दर- तीन साल की सावधि जमा पर दर मौजूदा तिमाही की तरह 7.1 प्रतिशत पर बनी रहेगी। लोकप्रिय सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमश- 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं।

किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर अप्रैल-जून 2025 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

चालू तिमाही की तरह, मासिक आय योजना निवेशकों के लिए भी ब्याज दर 7.4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। सरकार ने पिछली बार 2023-24 की चौथी तिमाही में कुछ योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव किया था। सरकार

44 साल पुरानी कंपनी का आ रहा IPO, 900 करोड़ के होंगे फ्रेश शेयर

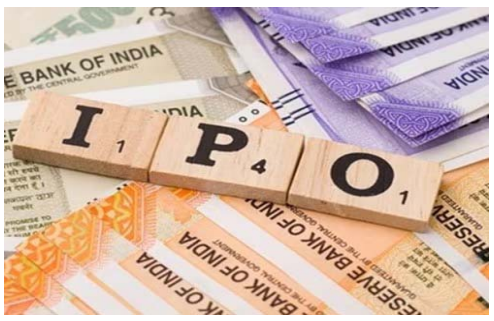

नई दिल्ली (एजेंसी)। पार्क ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी पार्क मेडी वर्ल्ड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आने वाला है। इस कंपनी ने आईपीओ के जरिये 1,260 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल मसौदा दस्तावेज के मुताबिक, इस आईपीओ में 900 रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक अजीत गुप्ता की तरफ से 300 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी।

क्या है कंपनी का प्लान- इसके अलावा, कंपनी 192 करोड़ रुपये तक के आईपीओ-पूर्व आवंटन पर भी विचार कर सकती है। यह आवंटन पूरा होने पर जुटाई गई राशि को नए इश्यू के आकार में से कम कर दिया जाएगा। कंपनी ने आईपीओ से मिलने वाली राशि में से 410 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण भुगतान और 110 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक नए अस्पताल के विकास और एक मौजूदा अस्पताल के विस्तार से संबंधित पूंजीगत व्यय के लिए करने की योजना बनाई है। कंपनी 77.19 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरणों की खरीद करेगी जबकि शेष धनराशि का उपयोग नए अधिग्रहण और सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

उत्तर भारत का दूसरा बड़ा चेन- क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार पार्क मेडी वर्ल्ड उत्तर भारत की दूसरी बड़ी निजी अस्पताल चेन है। यह 13 मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का संचालन करती है। ये अस्पताल नई दिल्ली, हरियाणा के अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, पानीपत, पालम विहार, सोनीपत एवं फरीदाबाद, राजस्थान के जयपुर एवं बहरोड़ और पंजाब के पटियाला एवं मोहाली में स्थित हैं। नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट, सीएलएसए इंडिया, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज़ पब्लिक इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं।

3000 बिस्तरों की क्षमता- 30 सितंबर 2024 तक पार्क मेडी वर्ल्ड की कुल क्षमता 3,000 बिस्तरों की थी, जिसमें 805 आईसीयू बिस्तर, साथ ही 63 ओटी (ऑपरेशन थिएटर) और दो समर्पित कैंसर इकाइयां शामिल थीं। कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष, डॉ. अजीत गुप्ता ने 1981 में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की और दक्षिण दिल्ली में एक क्लिनिक की स्थापना की। इस लिहाज से कंपनी 44 साल पुरानी है।

खरीफ फसल के लिए मिलता रहेगा सस्ता फर्टिलाइजर, 37 हजार करोड़ की सब्सिडी को हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी खरीफ फसल के लिए भी किसानों को सस्ता उर्वरक मिलता रहेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फास्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) उर्वरकों पर खरीफ सीजन के लिए 37,216 करोड़ रुपये की सबसिडी पर मुहर लगा दी। इससे उर्वरकों और अन्य तत्वों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही कीमतों का किसानों पर असर नहीं होगा।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार एनपीकेएस ग्रेड सहित पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी खरीफ सीजन 2025 के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को सस्ती कीमतों पर इन उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

सरकार पीएंडके उर्वरकों के 28 ग्रेड उपलब्ध करा रही- दरअसल सरकार उर्वरक निर्माताओं/आयातकों के जरिए किसानों को सब्सिडी वाले मूल्यों पर पीएंडके उर्वरकों के 28 ग्रेड उपलब्ध करा रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

MP में भोजपुरी गानों पर कॉलेज की छात्राओं ने बनाई रील, विरोध बढ़ने पर किया डिलीट

,रीवा। शहर के टीआरएस कॉलेज में कुछ छात्राओं ने क्लासरूम में भोजपुरी गानों पर डांस कर रील बनाई। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर ये स्कूल यूनिफॉर्म पहनी छात्राओं के रील्स वायरल हो गए। इसके बाद छात्र संगठनों ने विरोध जताया और कॉलेज प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

विवाद बढ़ता देख छात्राओं ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो डिलीट कर दिए हैं। हालांकि तब तक यह मामला आगे बढ़ चुका था। छात्र संगठन एनएसयूआई का कहना है कि छात्राओं द्वारा क्लासरूम में

ऐसे वीडियो बनाने से कॉलेज का माहौल प्रभावित हो रहा है। एनएसयूआई ने दी आंदोलन की चेतावनीएनएसयूआई के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि कॉलेज प्रशासन को पहले भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही कड़े कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन करेंगे।वहीं, टीआरएस कॉलेज प्रशासन ने कहा कि कॉलेज में अनुशासन सर्वोपरि है और इस मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी ने जताया विरोध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक पी.एन. पांडेय ने कहा कि कॉलेज शिक्षा का स्थान है, न कि अश्लील डांस और रील बनाने का। हम कॉलेज परिसर में होने वाली अश्लील और अमर्यादित गतिविधियों का कड़ा विरोध करते हैं।

मदमस्त हाथी ने चारा डाल रहे श्रमिक को पटककर मार डाला, मेटिंग सीजन में हुआ उग्र, सामान्य दिनों में रहता है शिष्ट

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व(बीटीआर) के आमानाला हाथी कैंप में शनिवार सुबह हृदयविदारक घटना हो गई। अष्टम नामक हाथी मद में मस्त था, उसने चारा डालने आए श्रमिक को पटककर मार डाला। बता दें कि नर हाथियों में ऋतुकाल(मेटिंग सीजन) में कान के पास से एक द्रव निकलता है जिसे मद कहते हैं। ऐसी अवस्था में हाथी उग्र हो जाते हैंऐसे हुआ यह हादसाबताया गया है कि पास के देवरी गांव निवासी श्रमिक नागेंद्र सिंह शनिवार सुबह छह बजे जंजीरों से बंधे अष्टम को चारा डालने गया था। इसी दौरान अष्टम ने उसे अपनी सूंड़ से उठाकर पटक दिया। मौके पर ही नागेंद्र की मौत हो गई।वनाधिकारियों ने बताया कि अष्टम की आयु साढ़े बाइस साल है। वह गश्ती हाथी दल में अहम भूमिका में है।सामान्य दिनों में वह बेहद शिष्ट हाथी माना जाता है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ही तूफान नामक हाथी ने इसे जन्म दिया था।बताया जा रहा है कि मृतक श्रमिक अकुशल था। उसकी ड्यूटी हाथी की देखभाल के लिए लगाई गई थी। हालांकि इस तरह के काम अकुशल श्रमिक ही करते हैं, लेकिन अब घटना के बाद यह सवाल उठाए जाने लगे हैं कि जब हाथी मद में था तो कुशल श्रमिक को ही उसकी देखभाल के लिए तैनात किया जाना चाहिए था।

मध्य प्रदेश में नहीं मिल रही टीबी की एक दवा, फार्मूला तो मिला पर दवा नहीं

भोपाल। बिगड़ी मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी (एमडीआर-टीबी) के इलाज के लिए केंद्र सरकार ने सितंबर 2024 में चार नई दवाओं को मंजूरी दी थी। मध्य प्रदेश में इनका फार्मूला तो मिल गया, लेकिन इस श्रेणी की केवल तीन दवाएं ही यहां उपलब्ध हैं। इसकी वजह से इलाज शुरू करने में देरी हो सकती है। गांधी मेडिकल कालेज (जीएमसी) से संबद्ध क्षेत्रीय श्वसन रोग संस्थान के अधीक्षक रतन कुमार वैश्य बताते हैं कि टीबी का इलाज संभव है, लेकिन इसके लिए दवा का कोर्स पूरा करना पड़ता है।जब कोई मरीज बीच-बीच में दवाएं छोड़ता रहता है तो टीबी का जीवाणु उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेता है।

ऐसे में सामान्य उपचार उस मरीज पर बेअसर हो जाता है। उसे ही टीबी रोग का बिगड़ जाना कहा जाता है।

बिगड़ी टीबी के उपचार के लिए इस तरह की विशेष दवाओं की जरूरत होती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले वर्ष बेडाक्विलाइन, प्रीटोमैनिड, लाइनज़ोलिड, और मोक्सीफ्लोक्सासिन (बीपीएएलएम) नाम की तीन दवाओं के संयोजन की मंजूरी दी थी।इन दवाओं का कोर्स मरीज की स्थिति के अनुसार छह से नौ महीने तक चल सकता है।

कहा गया था कि ये दवाएं उन मरीजों पर भी असर करेंगी, जिन पर पारंपरिक उपचार प्रभावी नहीं रहा।

लेकिन इन दवाओं में प्रीटोमैनिड दवा मध्य प्रदेश में अभी मौजूद नहीं है, इसका कंटेंट नहीं मिल पाया है।

इसके लिए अभी मरीजों को और इंतजार करना पड़ेगा।इस बीच राज्य क्षय रोग प्रशिक्षण केंद्र प्रदेश के टीबी विशेषज्ञों को इस दवा के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित कर रहा है। इन दवाओं उपयोग के लिए विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया जारी है। प्रीटोमैनिड दवा भी अगले महीने तक उपलब्ध होने की संभावना है। जल्द ही प्रदेशभर में नई दवाओं के साथ उपचार शुरू किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में अपराध नियंत्रण के लिए जिलों को चार कैटेगरी में बांटा

भोपाल। मध्य प्रदेश में गंभीर अपराधों की सूची के साथ पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने गंभीर अपराधों की विवेचना कर शीघ्र निपटान के लिए जिलों को चार श्रेणियों में बांट दिया है। इसके साथ ही सभी जिलों को अपराधों के निराकरण के लिए वार्षिक लक्ष्य भी दिया गया है। पुलिस मुख्यालय की सीआइडी शाखा के माध्यम से डीजीपी ने सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों से गंभीर, सनसनीखेज और जघन्य अपराधों को चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं।

विभिन्न श्रेणियों में शामिल जिले और वार्षिक लक्ष्य

ए-श्रेणी के जिलों में इंदौर शहर, भोपाल शहर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, देवास, धार, उज्जैन,रतलाम, रीवा है। इनके लिए 40 गंभीर अपराध का लक्ष्य रखा गया है।

- बी- श्रेणी के जिलों में बैतूल, खरगोन, रायसेन, नरसिंहपुर, शिवपुरी, छतरपुर, सिंगरौली, सीहोर, झाबुआ, छिंदवाड़ा, विदिशा, मुरैना, खंडवा, बड़वानी, इंदौर देहात, राजगढ़, सतना, सीधी, भिंड, सिवनी, गुना, शहडोल, मंदसौर, अशोकनगर, पन्ना, बालाघाट, नर्मदापुरम, दतिया, टीकमगढ़, दमोह, शाजापुर, कटनी हैं। इनके लिए 20 गंभीर अपराध का लक्ष्य।

- सी- श्रेणी के जिलों में आलीराजपुर, श्योपुर, हरदा, अनूपपुर, डिंडौरी, नीमच, मऊगंज, उमरिया, आगर-मालवा, मैहर, भोपाल देहात, बुरहानपुर हैं। इनके लिए 15 गंभीर अपराध।

- डी-श्रेणी के जिलों में निवाड़ी, पांढुर्णा, रेल भोपाल, रेल जबलपुर, रेल इंदौर के लिए पांच गंभीर अपराध का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गंभीर एवं सनसनीखेज अपराधों में ये शामिल

हत्या के वीभत्स प्रकरण जैसे जिंदा जला देना, दिनदहाड़े सार्वजनिक स्थल पर गोली, चाकू, तलवार या अन्य हथियार से निहत्थे व्यक्ति की हत्या कर देना, सामूहिक हत्याकांड।

- संगठित अपराध एवं गंभीर श्रेणी के आर्थिक अपराध।

- हत्या के साथ डकैती, बैंक, सराफा एवं सार्वजनिक स्थल पर दिनदहाड़े डकैती। - सामूहिक बलात्कार/नाबालिग के साथ दुष्कृत्य।

- आतंकवादी कृत्य। - अपहरण के साथ हत्या।

- पुरातात्विक महत्व की मूर्तियों की चोरी जिनसे जनसामान्य की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हों।

- अन्य ऐसे आपराधिक प्रकरण जिनसे जनता में भय/दहशत या असुरक्षा की भावना पैदा होती हो।

- तेजाब से हमलों के प्रकरण।

- 12 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं के साथ बलात्कार और नाबालिग बालिकाओं के साथ सामूहिक बलात्कार की हुई सभी आपराधिक घटनाएं।

- नक्सलियों द्वारा घटित अपराध।

- बड़े स्तर के सफेदपोश अपराध जैसे बड़े एवं महत्वपूर्ण बैंक धोखाधड़ी, मनी लांडरिंग, बड़े साइबर फ्राड आदि।

- बड़े पैमाने पर मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माण करने वाली फैक्ट्री (जैसे नकली दूध, मावा, तेल, घी, मिठाई, नमकीन, मसाला आदि) के विरुद्ध पंजीबद्ध किए गए महत्वपूर्ण आपराधिक प्रकरण।

- साइबर क्राइम एवं एनडीपीसी एक्ट के बड़े स्तर के महत्वपूर्ण प्रकरण जिसका समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

बुरहानपुर जिले से बाहर भेजने से पहले सात देसी पिस्टलों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बुरहानपुर। जिले से बाहर भेजी जा रही देसी पिस्टलों की एक और खेप खकनार थाना पुलिस ने पकड़ी है। शुक्रवार शाम खकनार के साईं मंदिर के पास बने प्रतीक्षालय से सात देसी पिस्टलों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें सुभान भिलाला 35 वर्ष निवासी पांगरी और हरदीप सिंह सिकलीगर 19 वर्ष निवासी पाचोरी शामिल हैं।

दोनों खकनार से बस पकड़ कर यह खेप बाहर पहुंचाने वाले थे। इससे पहले ही पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। तस्करों से अब खरीददारों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।एसपी देवेंद्र पाटीदार ने शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर बताया कि पाचोरी में लगातार दबिश देने के कारण अब सिकलीगर आसपास के जंगलों में अवैध रूप से हथियार तैयार कर रहे हैं।

बरामद पिस्टलों का मूल्य 1.40 लाख रुपये आंका गया है। इस दौरान एएसपी अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी निर्भय सिंह अलावा और खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव भी मौजूद थे।

एग्रीकल्चर कॉलेज में हंगामा! डीन की कुर्सी पर मंडराया खतरा

इंदौर। इंदौर के एग्रीकल्चर कॉलेज के छात्र डीन भरत सिंह को हटाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। आज भी भंवरकुआं चौराहे से कलेक्टर कार्यालय तक छात्रों ने रैली निकाली। छात्रों की मांग है कि डीन भरत सिंह को तुरंत हटाना चाहिए। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के (एनईवाययू) रणजीत किसानवंशी ने बताया कि डीन पर लगे कई आरोपों की जांच चल रही है और जिसकी भी जांच चलती है उसे पद पर नहीं रहना चाहिए।

छात्रों ने कहा डीन से कॉलेज की छात्राएं असुरक्षित- कॉलेज के डीन भरत सिंह पर छात्राओं से बदतमीजी करने जैसे अनेक आरोप हैं। छात्रों का कहना है डीन से महिला प्रोफेसर भी सुरक्षित नहीं हैं। सभी ने कहा जब से प्रोफेसर भरत सिंह डीन बने हैं तब से कॉलेज का माहौल खराब हो गया है। यह जब डीन नहीं थे उस समय भी एक महिला प्रोफेसर ने उनके साथ बदतमीजी का आरोप लगाया था उस बात को लेकर हमने वीसी को शिकायत की थी तबसे लेकर यह हमसें रंजिश पाले हुए हैं और हमको डराते धमकाते हैं जब हम हॉस्टल की समस्या को लेकर उनके पास जाते हैं तो यह हमसे बदतमीजी करते हैं। डीन हमें धमकी देते हैं और कहते हैं कि मेरी पहुंच ऊपर तक है, डीन तो मैं केवल टाइम पास के लिए बना हूं, अभी कुछ साल बाद सीधे राजनीति में आऊंगा। तुम जैसे कई लोगों को मैं मसल चुका हूं, मुझसे टकराओगे तो तुमको भी मसल दूंगा।

कलेक्टर ने दिया जांच का आश्वासन- छात्रों ने बैनर, पोस्टर के साथ में रैली निकाली और डीन को हटाने की मांग की। छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर आशीष सिंह से मुलाकात की और अपनी मांगें रखी। कलेक्टर ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और छात्रों को वापस भिजवाया।

प्रदेश के विश्वविद्यालय निरंतर बन रहे हैं सशक्त -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय निरंतर सशक्त बन रहे हैं। आने वाले समय में सभी विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से समर्थ और सक्षम होंगे। परंपरागत संकायों के साथ-साथ वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप कोर्सेज संचालित करने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रेरित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज आरंभ करें, राज्य सरकार अस्पतालों को उनके साथ संबद्ध करने की व्यवस्था करेगी। इन अस्पतालों के वेतन-भत्तों का भार राज्य सरकार वहन करेगी, विश्वविद्यालय पठन-पाठन-परीक्षा आदि की व्यवस्था करेंगे और परीक्षा की फीस का उपयोग मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय के संचालक-प्रबंधन और विस्तार में किया जा सकेगा। डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि जैसे व्यावसायिक दक्षता के कोर्सेज सहित सभी संकाय विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र में संचालित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश के शासकीय विश्वद्यालयों के कर्मचारी एवं पेंशनर्स भी वेतन एवं भत्तों में वृद्धि से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब निजी और शासकीय केवल दो श्रेणियों के विश्वविद्यालय हैं। सरकार उच्च शिक्षा को नए आयाम देने के लिए नवाचारों के साथ कार्य कर रही है।

आईटी इंजीनियर महिला के साथ 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 8 लाख की ठगी, क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया केस

इंदौर। क्राइम ब्रांच थाने में अन्नपूर्णा निवासी कनुप्रिया गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर 2024 को शाम 4 बजे उन्हें एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को फेडेक्स कोरियर सर्विस का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि सिंगापुर से मुंबई भेजे गए उनके नाम के एक पार्सल में भारी मात्रा में ड्रग्स मिली है, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके बाद ठगों ने कॉल को स्काइप पर मुंबई की एक आईडी से कनेक्ट किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

ब्लैक मेल कर बैंकिंग जानकारी हासिल की कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने अपना कैमरा बंद रखा और सिर्फ आवाज के जरिए महिला को डराने लगा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया, तो उनकी तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा और मीडिया में खबरें चला दी जाएंगी। इस डर से महिला ने अपनी बैंकिंग जानकारी साझा कर दी। इसके बाद ठगों ने उनके खाते से पैसे निकालने की साजिश को अंजाम दिया।

इंदौर में श्री धाम सरकार का लगा दरबार... भजन कीर्तन की प्रस्तुतियों से मुग्ध श्रद्धालु

इंदौर। जीवन में जब भी निराशा, मन की चंचलता और विषयों की आशक्ति हो तब ईश्वर के भजन करें, प्रभु के चरणों की सेवा करें और मन को एकाग्रचित कर अपने लक्ष्य की ओर बढ़े, इससे जीवन न सिर्फ आनंद से परिपूर्ण होगा बल्कि उन्नत और प्रगतिशील भी बनेगा।

यह विचार ख्यात श्रीधाम सरकार ने पूर्वी क्षेत्र में श्रद्धालु के बीच रखें।बुधवार को स्वामी विवेकानंद नगर बंगाली चौराहे के समीप श्रीधाम सरकार का श्रीमती रचना विकास गुप्ता के यह आगमन हुआ, बाबा के इंदौर पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अनुयाई यहां पहुंचे और भजन कीर्तन में लीन हो गए । शाम 6 बजे से शुरू हुए धाम कीर्तन की बेला रात 11 तक जारी रही। श्रद्धालूओ ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी वही सैकड़ों लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे, उमा शशि शर्मा अशोक धर्माधिकारी, पप्पू मंत्री मुद्रा शास्त्री सतीश जोशी दिनेश गुप्ता कमलेश्वर सिंहसिसोदिया, देवेंद्र ईनाणी आदि ने भी सहभागिता की। अपनी मधुर मुस्कान में श्रीधाम सरकार ने अनेक संस्करण भी सुनाएं

यह रहा खास....

अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्वज्ञानार्थदर्शनम।
एत ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतो न्यथा॥

भगवान श्रीकृष्ण इस श्लोक में बताते हैं कि सच्चा ज्ञान क्या है और अज्ञान क्या है।

अध्यात्म ज्ञान में नित्य स्थिति- हमेशा आत्मा और परमात्मा के सच्चे स्वरूप को जानने और समझने में लगे रहना ही वास्तविक ज्ञान है। यह ज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि हम शरीर नहीं, बल्कि अमर आत्मा हैं।

परम तत्व को देखना ङ्क सच्चे ज्ञान का उद्देश्य परमात्मा को पहचानना और उनकी सत्ता को अनुभव करना है। इसका मतलब यह है कि हमारा जीवन सिर्फ सांसारिक कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि परमात्मा की प्राप्ति ही इसका अंतिम लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी जिलों, नगर निगमों, नगर परिषद और ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों को वर्चुअली संबोधित किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा भी ऐसी जरूरतें होती हैं, जिनके लिए पैसा जरूरी होता है। प्रसूति, बीमारी, दिव्यांगता और किसी अपने को खो देने जैसे मुश्किल समय में कई बार हम स्वयं को असहाय महसूस करते हैं। संबल योजना ऐसे ही मुश्किल वक्त में जरूरतमंद के आंसू पोछती है और उनको सहारा प्रदान करती है। राज्य सरकार प्रदेश के गरीब और श्रमिक वर्ग के कल्याण तथा उनका भाग्य बदलने के लिए दृढ़ संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की भावना के अनुरूप अंत्योदय के कल्याण के संकल्प को प्रदेश में क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रदेश के 23 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों के खातों में 550 करोड़ रूपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करने के बाद परिवारों को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांच हितग्राहियों से

वर्चुअली बातचीत कर उनके परिजन के अवसान पर संवेदनाएं प्रकट की। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों, नगर निगमों, नगर परिषद और ग्राम पंचायतों के हितग्राही और जनप्रतिनिधि भी वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के श्रमिक परिवारों का अभिवादन करते हुए कहा कि परिश्रम से अपने और अपने परिवार का जीवन चलाने वाले श्रमिक ही प्रदेश के विकास की नींव हैं। परिश्रम से ही हमारी प्रतिभा निखरती है और आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य का मार्ग भी बनता है। राज्य सरकार ने जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है। पढ़ाई में अच्छा कर रहे विद्यार्थियों को स्कूटी और लेपटॉप देकर प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी प्रदेशवासियों का जीवन बेहतर हो। हर परिवार में सुख के सूरज का उदय हो और आनंद और वैभव के साथ सभी जीवन व्यतीत करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शुचिता-पारदर्शिता और दक्षता के साथ जनकल्याण और विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी क्रम में संबल योजना का बैकलॉग भी समाप्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि संबल योजना में अब तक 6 लाख 58 हजार से अधिक परिवारों को 5 हजार 927 करोड़ रूपए से अधिक के हितलाभ दिए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने गिग और प्लेटफार्म वर्कर्स को असंगठित श्रमिक मानते हुए 01 मार्च 2024 से उन्हें संबल योजना में उन्हें शामिल करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामय- योजना में शामिल किया गया है। गरीब बहनों को गर्भावस्था के समय काम पर न जाना पड़े और उन्हें पोषण भी मिलता रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने ऐसी बहनों को 16 हजार रूपए देने की व्यवस्था की है।

74,697 किसानों से 5 लाख 80 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी

इंदौर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक 74697 किसानों से 5 लाख 80 हजार 711 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 757 करोड़ 36 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। जिला उज्जैन में एक लाख 19 हजार 535, सीहोर में 83735, देवास में 60456, शाजापुर में 60282, इंदौर में 42765, भोपाल में 38640, राजगढ़ में 36457, मंदसौर 25292, आगर मालवा में 23604 आदि।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव में युवा वैज्ञानिक हुए पुरस्कृत

उज्जैन । राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव का शनिवार को समापन हुआ। इस मौके पर देशभर से पधारे वैज्ञानिकों ने कहा प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक विरासत ही विकास का मार्ग प्रशस्त रही है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय इस सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट शोध कार्य प्रस्तुत करने वाले युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित करते हुए विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने सम्मेलन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और वैज्ञानिक समुदाय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने में सहायक होते हैं। इस सम्मेलन के सफल आयोजन ने वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहन देने और भविष्य की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रखा है।

सम्मेलन में भारतीय विज्ञान परंपरा, स्वदेशी विज्ञान, टेक्नोलॉजी, रक्षा प्रणाली और नवीन वैज्ञानिक खोजों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय वैज्ञानिक विरासत और आधुनिक विज्ञान के मध्य समन्वय स्थापित करना था, ताकि देश की वैज्ञानिक प्रगति को और अधिक गति मिल सके। इस सम्मेलन में देशभर से 250 से अधिक वैज्ञानिकों एवं युवा शोधकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए और विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के दौरान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन चर्चा की गई।

सांसद अनिल फिरोजिया के प्रयास से उज्जैन को मिली नईदिल्ली के लिए एक नई मेल एक्सप्रेस सुपर फास्ट ट्रेन की सोगता !

उज्जैन । उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया जी के प्रयास से उज्जैन को नईदिल्ली कि यात्रा के लिए एक नई मेल एक्सप्रेस सुपर फास्ट ट्रेन की सोगता मिली है। पूर्व से ही सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा माननीय रेल मंत्रीजी श्री अश्विनी वैष्णवजी से निरन्तर आग्रह किया जा रहा था कि बाबा महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन हेतु दिल्ली और उसके आसपास के हजारों की संख्या में दर्शनार्थी प्रतिदिन उज्जैन आ रहे है पूर्व में संचालित ट्रेनों में यात्रीयों को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है।

सांसद जी की पहल पर माननीय रेल मंत्रीजी श्री अश्विनी वैष्णवजी ने इंदौर-नईदिल्ली व्हाया उज्जैन के बीच एक नई ट्रेन की मांग को स्वीकृत किया साथ ही इस संदर्भ में रेलवे बोर्ड से आदेश भी जारी कर दिये गये हैं। इस नई ट्रेन की सुविधा क्षेत्र की जनता को बहुत जल्दी प्राप्त होगी।

रेलवे बोर्ड ने एक आदेश निकालकर ट्रेन कमांक 20156 / 155 नईदिल्ली डॉ. अम्बेडकर नगर व्हाया कोटा, नागदा, उज्जैन देवास इंदौर होकर चलाने की स्वीकृति प्रदान की है। यह ट्रेन अतिशीघ्र प्रारंभ होगी इस नई रेल सुविधा के प्रारंभ होने से इंदौर उज्जैन देवास नागदा के यात्रियों को नईदिल्ली जाने के लिये प्रतिदिन नई रेल सुविधा प्राप्त होगी।

इस नई रेल सुविधा को प्रारंभ करने के लिये उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया जी ने यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी , माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी जी वैष्णव एवं मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र की जनता को शीघ्र प्राप्त होने वाली नई सुविधा के लिये बधाई प्रेषित की है।

नीम का अद्भुत औषधि का प्रयोग गुड़ी पड़वा पर्व से शुरुआत करने से होगा त्वचा रोग दूर

उज्जैन। नववर्ष की शुरुआत पर गुड़ी पड़वा पर्व पर नीम के पत्तों का प्रयोग कर चर्मरोग दूर करे। चैत्र नवरात्रि में अनादि काल से यह मान्यता है, आयुर्वेदाचार्य ने संहिता ग्रंथ में यह वर्णित किया है कि गुड़ी पड़वा पर्व पर 15 दिन तक नीम का प्रयोग काली मिर्च व मिश्री के साथ मिलाकर करने से सालभर त्वचा रोग उत्पन्न नहीं होते।नीम और पीपल ही ऐसे वृक्ष हैं, जो 100 प्रतिशत आक्सीजन इस संसार को प्रदान कर रहे हैं।आयुर्वेद ग्रंथों में नीम को अनेक नामों से संबोधित किया है जैसे अरिष्टक, पीचुमर्द, हींगुनिर्यास।

नीम के अन्दर जरा को रोकने की अद्भुत क्षमता है, इसमें कई सारे एन्टी ऑक्सिडेंट पाये जाते हैं जिनमें चर्म रोगों व त्वचागत विकारों में यह लाभदायक सिद्ध होता है।

भावसार समाज ने मनाया कुलदेवी माँ हिंगलाज का प्राकट्योत्सव

उज्जैन। श्री भावसार समाज उज्जैन द्वारा गुरुवार को माँ हिंगलाज तेरस के दिन कुलदेवी माँ हिंगलाज का प्राकट्योत्सव मनाया गया। श्री भावसार समाज उज्जैन के अध्यक्ष इंजी. संजय भावसार द्वारा बताया गया कि माँ हिंगलाज तेरस की पूर्व संध्या पर बुधवार को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें समाज के गायक कलाकारों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। गुरुवार को माँ हिंगलाज के प्राकट्य दिवस पर सुबह कुलदेवी माँ हिंगलाज का पंचामृत से अभिषेक कर पूजन किया। साथ ही हवन कर पूर्णाहुति की गई। प्रातःकाल पूजन में समाज के बारह जोड़ों ने यजमान के रूप में उपस्थित होकर विधि विधान से पूजन अर्चन किया। शाम को समाज द्वारा क्षीरसागर स्थित गाँधी बलोद्यान से श्री भावसार समाज उज्जैन की धर्मशाला तक फुलपाती और चल समारोह निकाला गया। जिसमें समाज के युवाओं द्वारा अखाड़े का प्रदर्शन किया। साथ ही समाज की महिलाओं द्वारा भी अखाड़ा प्रदर्शन कर नारी शक्ति का परिचय दिया। समाजजनों द्वारा भजनों पर नृत्य कर माताजी की आराधना की। समाज के बच्चे हिंगलाज माता, परशुराम जी, भाव सिंह, सार सिंह, दूल्हा दुल्हन बनाकर चल समारोह में निकले। जगह जगह स्वागत के पश्चात चल समारोह धर्मशाला पहुँचा जहां कुलदेवी माँ हिंगलाज की महाआरती की गई। माताजी का श्रृंगार देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। महाआरती के पश्चात सभी समाजजनों द्वारा महाप्रसादी ग्रहण की।

उज्जैन के बगलामुखी में सहस्त्र चंडी यज्ञ शुरू, शिप्रा तट पर की हिमाद्री

योगी पीर रामनाथ महाराज के सानिध्य में 251 बटुक करेंगे अनुष्ठान, 5 दिन चलेगा

उज्जैन। जनकल्याण एवं विश्व कल्याण की भावना से उज्जैन के भैरवगढ़ रोड स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर धाम में शनिवार से सहस्त्र चंडी महायज्ञ आरंभ हुआ। इसके पूर्व शिप्रा के दत्त अखाड़ा घाट पर सुबह हिमाद्री स्नान की विधि संपन्न कि गई।

भर्तृहरि गुफा के महंत योगी पीर श्री रामनाथ जी महाराज के सानिध्य में 251 बटुक यह अनुष्ठान संपन्न करेंगे जो पांच दिन चलेगा। पहले दिन प्रायश्चीत, मंडप प्रवेश, गणेश पूजन, पंचांग पूजन,ब्राह्मण वरण, महाकाली मूर्ति शुद्धिकरण कर दुर्गा सप्तशती का पाठ आरंभ किया गया। 2 अप्रैल को मंदिर के प्रतिष्ठा दिवस पर अनुष्ठान की पूर्णाहुति की जाएगी। इस दिन श्री रामनाथ जी महाराज का भक्तों द्वारा जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा।

निशुल्क चिकित्सा शिविर लगेगा, दवाईयां फ्री मिलेगी

मां बगलामुखी धाम में चल रहे धार्मिक अनुष्ठान के दौरान रविवार से निशुल्क चिकित्सा शिविर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लगाया जाएगा। जहां दवाइयां फ्री मिलेगी। ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की जांच भी फ्री की जाएगी।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय गुनावा में एफएलएम मेला आयोजित

उज्जैन। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किए गए प्रावधान के अन्तर्गत निपुण भारत द्वारा 2027 तक सम्पूर्ण देश में बुनियादी साक्षरता संख्या ज्ञान (एफएल एन) मिशन के तहत लक्ष्य प्राप्ति हेतु शासकीय प्राथमिक विद्यालय, गुनावा में एफएलएन मेले का आयोजन किया गया। मेले की गतिविधि शिक्षक शहजाद खान, सुनील पाटीदार ने छात्र-छात्राओं को एफएलएन मेले की गतिविधि की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com